भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 20–06–2020

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना 20 जून 2020 का शुभारम्भ

इस महत्वाकांक्षी गरीब कल्याण रोजगार योजना शुभारम्भ के अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने माननीय प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से योजना के संचालन में सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उड़ीसा, झारखण्ड के मुख्यमंत्री, अन्य मंत्रीगण, सांसदगण, पंचायत प्रतिनिधिगण एवं अधिकारी लोगों का अभिनन्दन किया।

बिहार के खगड़िया जिले से इस योजना की शुरुआत की गई।

पीएम मोदी ने रिमोट के जरिए गरीब कल्याण योजना का शुभारंभ किया. इससे पहले उन्होंने तमाम लोगों से बातचीत की और उनके काम के बारे में जाना. पीएम ने उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी ली। प्रमुख रूप से खगड़िया जिला के पंचायत प्रमुख से बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने क्वारण्टाइन सेन्टर में 575 लोगों को 14 दिनों तक रखकर स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं भोजन की व्यवस्था कराई। इसी क्रम में जनार्दन शर्मा जो हरियाणा, गुड़गाँव में राजमिस्त्री का काम करते थे, लौटकर अपने गाँव आये। वे गाँव में ही राजमिस्त्री का कार्य करते हुए संतुष्ट हैं। श्री चंदन जी राजस्थान अजमेर से लौटकर गाँव आये और वह भी गाँव में भी काम कर रहे हैं। श्रीमती मृदुला जीविका दीदी, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से बकरी पालन के साथ–साथ कोविड–19 के संक्रमण काल में सुरक्षात्मक उपायों के प्रति भी लोगों को जागरुक करते रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी श्रीमती गीता देवी, रिरसा हरियाणा से वापिस हुई हैं। पहले वह झोपड़ी में रहती थीं, अब पक्का मकान पाकर खुश हैं। प्रधानमंत्री ने उनसे पूछा कि अब तो पक्के मकान होने से आपके यहाँ मेहमान भी खूब आते होंगे तो श्रीमती गीता देवी ने खुश होकर जवाब हाँ में दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'गरीब कल्याण रोजगार अभियान' की शुरुआत की। यह योजना 6 राज्यों के 116 जिलों में चलेगी. इस योजना को देश के राज्यों के उन जिलों में संचालित किया जाएगा, जिनमें प्रवासी कामगारों संख्या 25 हजार से अधिक है. इसके तहत मजदूरों को 125 दिनों के लिए काम मिलेगा. मजदूरों को रोजगार देने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत करने से पहले प्रधानमंत्री ने लद्दाख में शहीद हुए जवानों की पराक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि लद्दाख में हमारे वीरों ने जो बलिदान दिया है, मैं गौरव के साथ इस बात का जिक्र करना चाहूंगा कि ये पराक्रम बिहार रेजीमेंट का है, हर बिहारी को इसका गर्व होता है. जिन सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं।

कोरोना वायरस पर भी बोले पीएम

कोरोना वायरस पर पीएम ने कहा कि आज आप सभी से बात करके कुछ राहत भी मिली है और संतोष भी मिला है. जब कोरोना महामारी का संकट बढ़ना शुरू हुआ था, तो आप सभी, केंद्र हो या राज्य सरकार, दोनों की चिंताओं में बने हुए थे. इस दौरान जो जहां था वहाँ उसे मदद पहुंचाने की कोशिश की गई. हमने अपने श्रमिक भाई–बहनों के लिए स्पेशल श्रमिक ट्रेनें भी चलाईं. वाकई, आपसे बात करके आज आपकी ऊजा भी महसूस कर रहा हूं।

कोरोना का इतना बड़ा संकट, पूरी दुनिया जिसके सामने हिल गई, सहम गई, लेकिन आप डटकर खड़े रहे. भारत के गावों में तो कोरोना का जिस तरह मुकाबला किया है, उसने शहरों को भी बहुत बड़ा सबक दिया है. सोचिए, 6 लाख से ज्यादा गांवों वाला हमारा देश, जिनमें भारत की दो–तिहाई से ज्यादा आबादी, करीब–करीब 80–85 करोड़ लोग जहां रहते हैं, उस ग्रामीण भारत में कोरोना के संक्रमण को आपने बहुत ही प्रभावी तरीके से रोका है।

कोरोना को रोकने में हमारे ग्रामीण भारत की जागरूकता ने काम किया

ये जनसंख्या यूरोप के सारे देशों को मिला दें, तो भी उससे कहीं ज्यादा है.ये जनसंख्या, पूरे अमेरिका को मिला दें, रूस को मिला दे, ऑस्ट्रेलिया को मिला दें, तो भी उससे कहीं ज्यादा है. इतनी बड़ी जनसंख्या का कोरोना का इतने साहस से मुकाबला करना, इतनी सफलता से मुकाबला करना, बहुत बड़ी बात है. इस सफलता के पीछे हमारे ग्रामीण भारत की जागरूकता ने काम किया है।

उन्होंने कहा कि लेकिन इसमें भी ग्राउंड पर काम करने वाले हमारे साथी, ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी वर्कर, आशावर्कर्स, जीविका दीदी, इन सभी ने बहुत बेहतरीन काम किया है. ये सभी वाहवाहो के पात्र हैं, प्रशंसा के पात्र हैं। इस योजना के शुभारम्भ में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक क्वारण्टाइन सेन्टर बनाया गया था। जिसमें दक्षिणी भारत से प्रवासी श्रमिक आये थे जिन्होंने अपने हुनर से क्वारण्टाइन अवधि में पूरे विद्यालय का रंगाई पुताई एवं मरम्मत कर कायाकल्प कर दिया। इसी से प्रेरित होकर मैंने इस योजना के विषय में चिन्तन मन्थन करने के उपरान्त शुभारम्भ करने का निर्णय लिया।

कोई पीठ थपथपाए या न थपथपाए, मैं आपकी जय–जयकार करता हूं

पीएम ने कहा कि कोई पीठ थपथपाए या न थपथपाए, मैं आपकी जय–जयकार करता हूं. आपने अपने हजारों–लाखों लोगों को कोरोना से बचाने का पुण्य किया है. मैं आपको नमन करता हूं. वैस मुझे बताया गया है कि परसो से पटना में कोरोना टेस्टिंग के एक बड़ी आधुनिक टेस्टिंग मशीन भी काम शुरू करने वाली है. इस मशीन से करीब–करीब 1500 टेस्ट एक ही दिन में करने संभव होंगे।

पीएम ने कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है. आज गरीब के कल्याण के लिए, उसके रोजगार के लिए एक बहुत बड़ा अभियान शुरू हुआ है. ये अभियान समर्पित है हमारे श्रमिक भाई–बहनों के लिए, हमारे गांवों में रहने वाले नौजवानों–बहनों–बेटियों के लिए।

देश आपकी भावनाओं को भी समझता है और आपकी जरूरतों को भी

पीएम ने कहा कि इनम से ज्यादातर वो श्रमिक हैं जो लॉकडाउन के दौरान अपने घर वापस लौटे हैं. वो अपनी मेहनत और हुनर से अपने गांव के विकास के लिए कुछ करना चाहते हैं. वो जब तक अपने गांव में हैं, अपने गांव को आगे बढ़ाना चाहते हैं. उन्होने कहा कि मेरे श्रमिक साथियों, देश आपकी भावनाओं को भी समझता है और आपकी जरूरतों को भी. आज खगड़िया से शुरू हो रहा गरीब कल्याण रोजगार अभियान इसी भावना, इसी जरूरत को पूरा करने का बहुत बड़ा साधन है।

हमारा प्रयास है कि इस अभियान के जरिए श्रमिकों और कामगारों को घर के पास ही काम दिया जाए

पीएम बोले कि हमारा प्रयास है कि इस अभियान के जरिए श्रमिकों और कामगारों को घर के पास ही काम दिया जाए. अभी तक आप अपने हुनर और मेहनत से शहरों को आगे बढ़ा रहे थे, अब अपने गाँव को, अपने इलाके को आगे बढ़ाएंगे. सरकारी स्कूल में रहते हुए, इन श्रमिकों ने अपने हुनर से, स्कूल का ही कायाकल्प कर दिया. मेरे श्रमिक भाई–बहनों के इस काम ने, उनकी देशभक्ति ने, उनके कौशल ने, मुझे इस अभियान का आइडिया दिया, प्रेरणा दी।

मजदूरों को रोजगार देने के लिए 50 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे

पीएम ने कहा कि आप सोचिए, कितना टैलेंट इन दिनों वापस अपने गांव लौटा है. देश के हर शहर को गति और प्रगति देने वाला श्रम और हुनर जब खगड़िया जैसे ग्रामीण इलाकों में लगेगा, तो इससे बिहार के विकास को भी कितनी गति मिलेगी. उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत आपके गांवों के विकास के लिए, आपको रोजगार देने के लिए 50 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं.इस राशि से गांवों में रोजगार के लिए, विकास के कामों के लिए करीब 25 कार्यक्षेत्रों की पहचान की गई है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये 25 काम या प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं, जो गांव की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े हैं, जो गांव के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं. ये काम अपने ही गांव में रहते हुए, अपने परिवार के साथ रहते हुए ही किए जाएंगे. अब जैसे, खगड़िया के तेलिहार गांव में आज से आंगनबाड़ी भवन, सामुदायिक शौचालय, ग्रामीण मंडी और कुआं बनाने का काम शुरू किया किया जा रहा है. इसी तरह हर गांव की अपनी–अपनी जरूरतें हैं. इन जरूरतों को अब गरीब कल्याण रोजगार अभियान के माध्यम से पूरा किया जाएगा.

इस अभियान के तहत आधुनिक सुविधाओं से भी गांवों को जोड़ा जाएगा

इसके तहत अलग–अलग गांवों में कहीं गरीबों के लिए पक्के घर भी बनेंगे, कहीं वृक्षारोपण भी होगा, कहीं पशुओं को रखने के लिए शेड भी बनाए जाएंगे. पीने के पानी के लिए, ग्राम सभाओं के सहयोग से जल जीवन मिशन को भी आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा. ये तो वो काम ह जो गांव में होने ही चाहिए। लेकिन, इसके साथ–साथ इस अभियान के तहत आधुनिक सुविधाओं से भी गांवों को जोड़ा जाएगा.

अब जैसे, शहरों की तरह ही गांव में भी हर घर में सस्ता और तेज इंटरनेट होना जरूरी है।

गांव में, शहरों से ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल हो रहा है

देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है जब गांव में, शहरों से ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल हो रहा है. गांवों में इटरनेट की स्पीड बढ़े, फाइबर केबल पहुंचे, इससे जुड़े कार्य भी होंगे. जो हमारी बहनें हैं, उनको भी स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से भी जोड़ा जाएगा, ताकि वो अपने परिवार के लिए अतिरिक्त साधन जुटा सकें।

हुनर की पहचान की जाएगी, ताकि आपके कौशल के मुताबिक आपको काम मिल सके

पीएम ने कहा कि यही नहीं, आप सभी श्रमिकों, आप सभी के हुनर की मैपिंग की भी शुरुआत की गई है. यानि कि, गांव में ही आपके हुनर की पहचान की जाएगी, ताकि आपके कौशल के मुताबिक आपको काम मिल सके। आप जो काम करना जानते हैं, उस काम के लिए जरूरतमंद खुद आपके पास पहुंच सकेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार पूरा प्रयास कर रही है कि कोरोना महामारी के इस समय में, आपको गांवों में रहते हुए किसी से कर्ज न लेना पड़े, किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। गरीब के स्वाभिमान को हम समझते हैं. आप श्रमेव जयते, श्रम की पूजा करने वाले लोग हैं, आपको काम चाहिए, रोजगार चाहिए। इस भावना को सर्वोपरि रखते हुए ही सरकार ने इस योजना को बनाया है, इस योजना को इतने कम समय में लागू किया है।

80 करोड़ गरीबों की थाली तक राशन–दाल पहुंचाने का काम हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत ही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से हुई थी. इस योजना पर कुछ ही सप्ताह के भीतर करीब–करीब पौने 2 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए. इन तीन महीनों में 80 करोड़ गरीबों की थाली तक राशन–दाल पहुंचाने का काम हुआ है. सोचिए, अगर घर घर जाकर आपके जन धन खाते न खुलवाए गए होते, मोबाइल से इन खातों और आधार कार्ड को जोड़ा नहीं होता, तो ये कैसे हो पाता? पहले का समय तो आपको याद ही होगा।

बीते गुरूवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस योजना की जानकारी देते हुए कहा था कि इस बड़ी योजना से वापस घर लौटे श्रमिकों को सशक्त किया जाएगा. उन्होंने आगे कहा था कि इस स्कीम से मजदूरों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा।

इस योजना से डेढ़ लाख मजदूरों को मिलेगा फायदा

सीतारमण ने कहा, 'इस योजना के लिए बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और ओड़िशा के 116 जिलों में प्रत्येक राज्य से 25–25 हजार श्रमिकों को चुना गया है. इन जिलों में करोब 66 प्रतिशत मजदूर वापस लौटे हैं।'

125 दिनों के लिए मजदूरों को मिलेगा रोजगार–

इस योजना के तहत मजदूरों को 125 दिनों के लिए रोजगार दिया जाएगा. बताया जा रहा है कि मजदूरों को रोजगार देने के लिए 25 अलग–अलग तरह के कामों पर धयान केंद्रित किया जा रहा है. इस योजना में 50 हजार करोड़ के संसाधन लगाए जाएंगे।

किसानों के लिये भी महत्वपूर्ण जानकारी दी–

किसान अब सीधे अपने फसल उत्पाद को देश के किसी भी बाजार में बेच सकते हैं। साथ ही साथ कृषि उत्पाद से प्रसंस्करित सामग्री पैकिंग करके किसान देख सकते हैं। अब किसान अपने उत्पाद से अन्य प्रोडक्ट भी बनाकर सीधे बाजार से विभिन्न एजेन्सियों के माध्यम से जुड़कर लाभ कमा सकते हैं उन्होंने कहा कि देश के हर राज्य में कुछ न कुछ विशेष उत्पादन होता है। जैसे मध्यप्रदेश में दालें राजस्थान में तिलहन, इसी तरह विशिष्ठ उत्पादों को पहचान कर परिष्कृत माल तैयार कर विक्रय किये जाने से किसानों को अच्छी आय प्राप्त होगी। उन्होंने आवाह्न किया कि कृषक और श्रमिक 'श्रम के सम्मान से जियें किसी सहारे से नहीं'। किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े गरीब का 'श्रमेव जयते' स्वाभिमान कायम रहे। इसी से भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी। देशवासियों को कोरोना के संकट काल से मुकाबला करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को मास्क या अंगौछा लगाकर रहना, स्वच्छता का ध्यान रखते हुए 2 गज की दूरी बनाये रखने का पालन करना आवश्यक है। सभी स्वस्थ्य रहें, आगे बढ। बहुत बहुत शुभकामनायें।

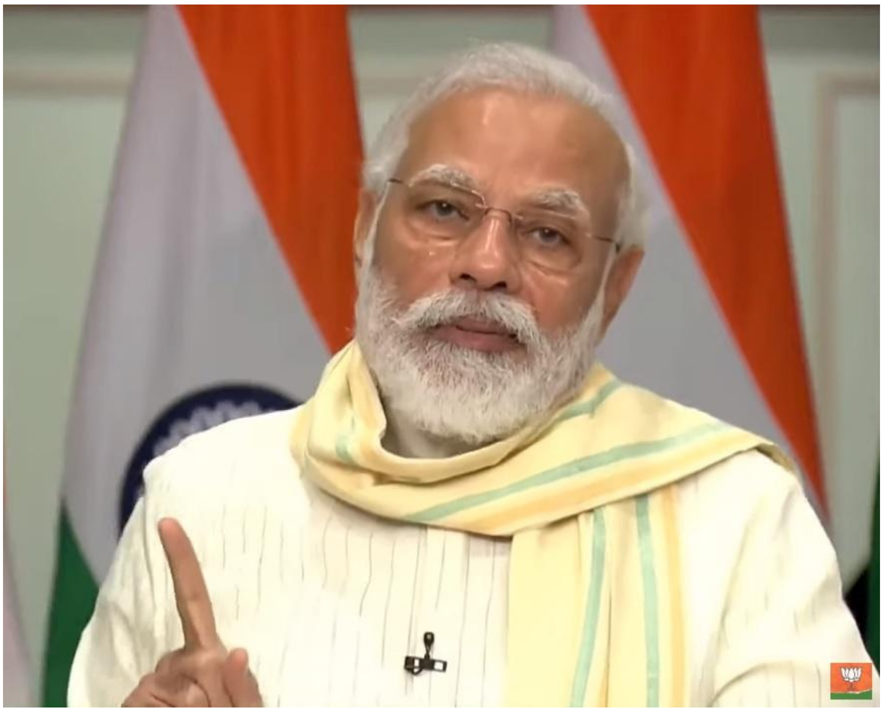

UNION MINISTER
RURAL DEVELOPMENT

Chief Minister-Bihar
Telihar,Beldaur, Khagaria Bihar
Chief Minister-Rajasthan
Chief Minister-Madhya Pradesh
hri. Narendra Singh Tomar (Union Minister- Rural Development)
Prime Minister
Chairman Railway Board
Chief Minister (R)-Uttar Pradesh
GOVERNMENT OF ODISHA
NIC
Cabinet Secretary (Shri Rajiv Gauba)
Chief Secretary-Odisha